

DPN 6365

Title : मन्त्र MAINTRA

Run. No. 7056

Cat. No.

Micro. No.

Subject Mantra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 17.5 x 6.5

Folios S

Lines (in a page) S

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

धर्मरत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Dharma Ratna Bajracharya

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ उपपादयन्तु मे काश्चि रहम विरह मनुमोदय इमे मन्त्रा सिध्यन्तु ॥

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत. श्री महाविहार

माहा नानविदुथयनि॥सिहानकाहा नानविदुथयनि॥वागाहा नानविदुथया
नि॥विरुहा नानविदुथयनि॥विष्ठाहा नानविदुथयनि॥असूयाहा नानवि
दुथयनि॥विविशाहा नानविदुथयनि॥यावदयाहा नानविदुथयनि॥
॥ ॥ जगर्षीमम सर्वदृष्टा नां महावज्रहमर्षिस्तु नमयस्तु नायपुह
नमयस्तु नमस्तु नमस्तु सर्वदृष्टा नां सर्वभूतहमर्षिस्तु नमयस्तु नमस्तु

II-१०

10
 हानविह ० यन्कि ॥ सर्वदेवानविह थयानि ॥ इत्यिपाठानविह ० यन्कि ॥ यावन्म
 वाहानानविह थयानि ॥ मृगानानविह थयानि ॥ मिगानानविह थयानि ॥ न
 धिनाहानानविह थयानि ॥ ॥ मासाहानानविह थयानि ॥ पञ्चाहानान
 नविह थयानि ॥ वसाहानानविह थयानि ॥ ॥ मर्जहानानविह थयानि
 पृष्ठाहानानविह थयानि ॥ उत्कृष्टहानानविह थयानि ॥ उत्कृष्टिनाहानान

5
 पकनधनिधिमह न नो ग्री वसुध नवी प्रथोद निस्वाहा ॥ ॐ अ १ स्वाहा ॥ स्व १ स्वाहा ॥ श्री
 १ स्वाहा ॥ स्वा १ स्वाहा ॥ स्वा १ स्वाहा ॥ ॐ यानया गावह इगमिनी जन्त्यनाडु या ना
 मत्यादनिउत्यना चद्रयाना चवर्द्धिक विटि विरठ विरठु नर रगवनिमा
 विलं वममसर्वस्वाना च मनो नर्धय विष्ट नयदगदिग्वक्षाय रथादकधनां य
 विष्ट नयनिमहीयथ रास्त्र नमिना विधमय नि यथ श्री नां गुना ज्ञायानि ॥

सर्वोषधी सर्वजागनासयति । धनदा वरुणा चैव ॐ दावे वरुणधाम नानुगमिनी
 सिद्धिं विनयनुसर्गं सद्यः प्राप्य च ॥ यथा कामार्थसिद्धिं त्वनिमनसं सय ॥ सिद्धिं
 गामश्रुपदानि ॥ ॥ गद्यथा ॥ रविरिव रविरिव रविरिव रविरिव रविरिव रविरिव रविरिव रविरिव रविरिव
 ययस्वाहा ॥ ॐ वसुधा स्वाहा ॥ ॐ वसुधा ययस्वाहा ॥ ॐ वसुधा स्वाहा ॥ ॐ वसुधा स्वाहा ॥ ॐ
 सूनरस्वाहा ॥ ॐ ॐ अयस्वाहा ॥ ॐ याचिरे कस्वाहा ॥ ॐ यमायस्वाहा ॥ ॐ वसुधायस्वाहा

॥ ॐ मलियमहं स्वाहा ॥ ॐ कुरुपाति सर्वं वरुणधामयहं स्वाहा ॥ ॐ अर्योऽङ्गुलजलजलजल
 यजं कुं स्वाहा ॥ ॐ माहिरुद्राय स्वाहा ॥ ॐ पूरुतुद्राय स्वाहा ॥ ॐ वेणुवनाय स्वाहा
 ॐ धनदाय स्वाहा ॥ ॐ महाधनदाय स्वाहा ॥ ॐ नन्दादेवीयनमः स्वाहा ॥ ॐ सून
 न्दादेवीयनमस्वाहा ॥ ॐ रुद्रादेवीयनमः स्वाहा ॥ ॐ सूरुद्रादेवीयनमः स्वाहा ॥ ॐ
 विविकुलीनस्वाहा ॥ ॐ श्रीकलिनस्वाहा ॥ ॐ श्रीजङ्गलमरुवद्राय स्वाहा ॥

ॐ श्री सर्वजन्म लज्जल न्द्राय स्वाहा ॥ ॥ ॐ हं शरवया लनाग नाजाय स्वाहा ॥
 ॐ श्री हं स्वाहा ॥ ॐ श्री ललाद वी स्वाहा ॥ ॐ श्री वलाद वी स्वाहा ॥ ॐ श्री वसुंध नाद
 वी स्वाहा ॥ ॐ श्री धनवती स्वाहा ॥ ॐ श्री धान्यवती स्वाहा ॥ ॐ श्री रमणी स्वाहा ॥ ॐ
 श्री चन्द्रमती स्वाहा ॥ ॐ श्री गजमणि स्वाहा ॥ ॐ श्री सर्वगुणवती स्वाहा ॥ ॐ हं कुं
 स ॥ स्वाहा ॥ ॐ गुणसकटिक सर्वज्ञ कर्षय २ श्री गुरु विगमहावल हं स्वाहा ॥

ॐ श्री गुणदेवी स्वाहा ॥ ॐ सन्नधनी देवी स्वाहा ॥ ॐ श्री चन्द्रकान्ता देवी स्वाहा ॥
 ॐ श्री धनदमहा धनदो स्वाहा ॥ ॐ यन्नमहा यन्नको स्वाहा ॥ ॐ विविक्क धुकलिमालि
 नो स्वाहा ॥ ॐ पूर्य पूर्य य स्वाहा ॥ ॐ महा न्न निधानयागको स्वाहा ॥ ॥ ॐ स्वाहा
 ॥ ज स्वाहा ॥ ल स्वाहा ॥ ल स्वाहा ॥ ल स्वाहा ॥ द्रा स्वाहा ॥ य स्वाहा ॥ स्वा स्वाहा ॥ हा स्वाहा ॥ ॐ
 कजसमाज हं वं हा ॥ ॐ हं स्वाहा ॥ ॐ श्री स्वाहा ॥ ॐ श्री स्वाहा ॥ ॐ श्री १ स्वाहा ॥ ॐ प्रज्ञा श्री

